

1  $\frac{12}{17}$

पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप.  
अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
दिनांक-26-1-18 को पेश हो

29-1-18

~~पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप.~~

~~अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
दिनांक-16-3-18 को पेश हो~~

16  $\frac{07}{18}$

~~पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप.~~

~~अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
दिनांक-28-09-18 को पेश हो~~

28  $\frac{09}{18}$

~~पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप.~~

~~अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
दिनांक-14-12-18 को पेश हो~~

15  $\frac{03}{19}$

~~पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप.~~

~~अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
दिनांक-26-06-19 को पेश हो~~

20  $\frac{06}{19}$

~~पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप.~~

~~अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
दिनांक-12-09-19 को पेश हो~~

10  $\frac{10}{19}$

~~पत्रावली पेश हुई। वकूलाय उप.~~

~~अनुपस्थित/ पीठासीन अधिकारी  
दौरे पर/ अन्य कार्य में व्यस्त।  
पत्रावली पूर्व आदेशानुसार आईन्दा  
दिनांक-22-11-19 को पेश हो~~

22  $\frac{11}{19}$

पत्रावली पेश हुई। उक्त में बार-बार आवण  
लाग गई। बावजूद आवण लगाते वकूलाय  
उभयपक्ष अर्थात् फरजात में से कोई भी हार्जि

तारीख हुक्म

हुक्म या कार्यवाही मय लघुहस्ताक्षर जज

नम्बर व तारीख  
अहकाम जो  
हुक्म की नाल  
में जारी हुए

अदालत नहीं आया है। अतः कार्यवाही  
अन्तर्गत अदम हजिरी एवं अदम पैरवी  
में खरीज किया जाता है। पत्रावली फैसल  
शुमार होकर नम्बर से कम हो गया बाद  
तन्मूल साखिल दफ्तर हो। निर्णय खुली  
न्यायालय में सुनाया गया।